लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लोक सभा अध्यक्ष ने बुद्ध पूर्णमा की पूर्वसंध्या पर देशवासयों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 06 मई 2020: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने बुद्ध पूर्णमा की पूर्वसंध्या पर देशवासयों को शुभकामनाएं दी हैं । अपने सन्देश में श्री बिरला ने कहा: " मैं बुद्ध पूर्णमा के पावन अवसर पर देशवासयों को शुभकामनाएं देता हूँ। महात्मा बुद्ध का जीवन और शक्षाएं मानवजाति को भारत की ओर से दिया गया एक अनुपम उपहार है। उनके द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, सत्य, निस्वार्थ सेवा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आदर्श समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और कसी भी देश, धर्म अथवा जाति के भेदभाव के बिना समूची मानवजाति के लए अभी भी उतने ही प्रासंगक हैं। कोवड -19 महामारी के इस कठिन समय में आइए हम सब बुद्ध के साधना और ध्यान के बंधनमुक्त करने वाले वचारों का स्मरण करें जिससे हमें अपने मन की शान्ति के लए घर पर रहने और साधना करने और कोरोना वायरस का मुकाबला करने की प्रेरणा मलेगी। इस शुभ अवसर पर आइए हम अपने जीवन में उनकी शक्षाओं को आत्मसात करें और समाज में भाईचारे, शान्ति और सद्भावना के बंधन को मजबूत करने का संकल्प लें। "

LOK SABHA SPEAKER GREETS PEOPLE ON THE EVE OF BUDDHA PURNIMA

New Delhi, 06 **May** 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the eve of Buddha Purnima. In his message, Shri Birla said: "I convey my heartfelt greetings and good wishes to my fellow citizens on the sacred occasion of Buddha Purnima. The life and teachings of Mahatma Buddha are one of India's greatest gifts to mankind. His ideals of ahimsa, truth, selfless service, and peaceful co-existence have stood the test of time and continue to remain enormously relevant to the whole of humanity irrespective of any distinctions of nationality, religion or race. In these difficult times of COVID-19 pandemic, let us also recall Buddha's emancipating ideas of meditation and mindfulness, which inspire us to stay and meditate at home for peace of mind and to contribute towards fighting the corona virus. On this auspicious day, let us imbibe his teachings in our lives and resolve to strengthen the bonds of brotherhood, peace, and harmony in society."